

भतीजे की शादी में रवाना होने के पांच मिनट बाद ही वारदात

लोहा व्यापारी के घर से 27 लाख का माल चुरा ले गए बदमाश

सिटी चीफ इंदौर। इंदौर। इंदौर के खजराना थाना क्षेत्र में रहने वाले एक लोहा व्यापारी के घर में चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर यहां से नगदी और जेवरात सहित कुल 27 लाख रुपए का माल ले उड़े। चोरी की यह घटना पूरी तरह सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें दो संदिग्ध दिखाई दे रहे हैं। दोनों चोर हेलमेट और मुंह पर कपड़ा बांधकर घर में घुसे थे। पुलिस अब इनकी पहचान कर तलाश में जुट गई है।



जेवरात पर हाथ साफ किया और फरार हो गए। मुस्तकीम अहमद ने बताया कि वे शुक्रवार को अपने भतीजे की शादी में

शामिल होने के लिए परिवार के साथ घर से निकले थे। घर पर ताला लगा हुआ था, लेकिन जब रात करीब सवा 12 बजे लौटे तो देखा कि घर का गेट टूटा हुआ और खुला पड़ा था। घर की लाइटें भी बंद थीं। जब अंदर जाकर देखा तो पता चला कि चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। तुरंत घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई, जिसमें सामने आया कि उनके जाने के महज पांच मिनट बाद ही चोर घर में घुस आए थे।

शाम 7ः35 बजे घर में घुसे और 8ः15 बजे निकल गए सीसीटीवी फुटेज से यह भी पता चला कि पूरी वारदात एक घंटे से भी कम समय में हो गई। चोरों ने घर में घुसने के लिए गैरेज के ऊपर से टांड पर चढ़कर रास्ता बनाया और आसानी से घर में दाखिल हो गए। वे शाम 7ः35 बजे घर में घुसे और 8ः15 बजे निकल गए। वारदात के दौरान चोरों के हाथ में टॉमी थी, जिससे उन्होंने अलमारी का ताला तोड़कर 7 लाख रुपए नगद और सोने-

चांदी के जेवरात सहित कुल 27 लाख रुपए का सामान चुरा लिया। **जान-पहचान वाले पर है शंका** व्यापारी को शक है कि वारदात को अंजाम देने वाला कोई जान-पहचान का व्यक्ति हो सकता है, क्योंकि चोरों को पहले से ही पता था कि पूरा परिवार शादी समारोह में गया हुआ है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है और जल्द ही उनके पकड़े जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

हाईटेक सुरक्षा : सभी इंट्री और एक्जिट गेट सहित रनवे की ओर जाने वाले गेट्स पर लगाए जाएंगे टायर किलर्स और हाइड्रोलिक बोलार्ड

एयरपोर्ट पर बिना अनुमति घुसे तो फटेंगे गाड़ी के टायर

सिटी चीफ इंदौर। इंदौर। शहर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को अब हाईटेक सुरक्षा से लैस किया जा रहा है, जिससे यह दुनिया के बड़े एयरपोर्ट्स की तरह सुरक्षित हो जाएगा। यहां जल्द ही टायर किलर्स और हाइड्रोलिक बोलार्ड लगाए जाएंगे। ये अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण एयरपोर्ट के सभी इंट्री और एक्जिट गेट के साथ-साथ ऑपरेशनल एरिया, यानी रनवे की ओर जाने वाले गेट्स पर भी लगाए जाएंगे। इसका मकसद बिना अनुमति किसी भी वाहन को एयरपोर्ट में घुसने या भागने से रोकना है। देश में अभी केवल कुछ ही एयरपोर्ट्स पर ये तकनीक इस्तेमाल हो रही है। इंदौर एयरपोर्ट प्रशासन ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिए हैं और आने वाले कुछ महीनों में इन उपकरणों को इंस्टाल कर दिया जाएगा। इनके लग जाने के बाद कोई भी वाहन बिना परमिशन के एयरपोर्ट में प्रवेश नहीं कर पाएगा, जिससे सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत हो जाएगी। इंदौर एयरपोर्ट को देश के संवेदनशील एयरपोर्ट्स में गिना जाता है और इसे ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। **बटन दबते ही कारों के नीचे निकल आएंगी कीलें** इन हाईटेक उपकरणों की खासियत यह होगी कि ये सामान्य रूप से दिखाई नहीं देंगे, लेकिन जैसे ही किसी संदिग्ध वाहन की एंट्री होगी, तो सिर्फ एक बटन दबाते ही टायर किलर्स और हाइड्रोलिक बोलार्ड सक्रिय हो



जाएंगे। इन उपकरणों को मुख्य इंट्री और एक्जिट गेट्स के अलावा एयर साइट एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर भी लगाया जाएगा। टायर किलर्स इस तरह डिजाइन किए गए हैं कि जैसे ही कोई वाहन इनके ऊपर से गुजरेगा, उसके टायर फट जाएंगे और वह आगे नहीं बढ़ पाएगा। वहीं, हाइड्रोलिक बोलार्ड स्टील के खंभों की तरह ऊपर उठ जाएंगे और वाहन को रोक देंगे, जिससे बिना अनुमति किसी को भी अंदर जाने या भागने का मौका नहीं मिलेगा। जैसे ही खतरा टल जाएगा, एक बटन दबाकर इन्हें दोबारा नीचे किया जा सकेगा, जिससे सामान्य वाहनों की आवाजाही पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

सिस्टम को लगाने वाली कंपनी पांच साल तक करेगी देखरेख इस हाईटेक सिस्कोरिटी सिस्टम को एयरपोर्ट पर लगाने के लिए हाल ही में ग्लोबल टेंडर जारी किया गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए 84 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है और जल्द ही टेंडर की प्रक्रिया पूरी होते ही इसका इंस्टॉलेशन कार्य शुरू किया जाएगा। इस सिस्टम को लगाने वाली कंपनी को अगले पांच साल तक इसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी सौंपी जाएगी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इस प्रोजेक्ट के लिए ह्यमेक इन इंडियाह्क उपकरणों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है।

311 एप पर लोग कर सकेंगे ध्वनि प्रदूषण, शोर की शिकायत, जल्द मिलेगा विकल्प

इंदौर में रात 10 से 6 बजे तक डीजे लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध

सिटी चीफ इंदौर। इंदौर। आगामी परीक्षाओं को देखते हुए इंदौर में कलेक्टर ने डीजे-लाउड स्पीकर पर प्रतिबंध लगा दिया है। दरअसल, इसी माह सभी बोर्ड एग्जाम शुरू हो जाएंगी और अप्रैल तक चलेगी। इसे देखते हुए इंदौर में डीजे और लाउडस्पीकर ध्वनि प्रदूषण नहीं कर सकेंगे। इसे लेकर अब कलेक्टर नई व्यवस्था भी शुरू करने वाले हैं। ध्वनि प्रदूषण, शोर की शिकायत करने के लिए लोगों को नगर निगम की 311 एप पर भी ऑप्शन मिलेगा, जहां पर लोग इसकी शिकायत कर सकेंगे,



जिस पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर आशीष सिंह के आदेश के मुताबिक जुलूस या

आयोजन में मीडियम साइज के अधिकतम दो डीजे बॉक्स या लाउड स्पीकर बजा सकेंगे,

लेकिन इसके लिए भी सक्षम प्राधिकारी से अनुमति लेना होगी। **गड़क और स्कूटर पर प्रेशर हॉर्न भी प्रतिबंधित** रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक डीजे-लाउडस्पीकर प्रतिबंधित रहेंगे। कलेक्टर आशीष सिंह ने तीन पेज का आदेश जारी किया है। इसमें बाइक और स्कूटर पर प्रेशर हॉर्न भी प्रतिबंधित रहेगा। इनकी बिक्री भी प्रतिबंधित की गई है। यह आदेश 6 जनवरी से 5 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा। ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सिटी चीफ इंदौर। इंदौर। भंवरकुआं थाना क्षेत्र में एक युवती ने फांसी लगाकर जान दे दी। श्रीराम नगर पालदा में रहने वाली युवती ने 3 फरवरी को फांसी लगाई थी। इसके बाद से वह अस्पताल में भर्ती थी। शुक्रवार रात उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। भंवरकुआं पुलिस के मुताबिक 23 साल की गार्गी पिता विनोद सुमन ने घर में ही दुपट्टे से फांसी लगा थी। इस दौरान उसका भाई वहां पहुंच गया था। लोगों की मदद से उसे फंदे से उतारा और प्राइवेट अस्पताल ले गए। यहां इलाज के बाद 5 फरवरी को उसे एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया था। यहां उसने शुक्रवार रात को दम तोड़ दिया। भंवरकुआं थाने के राधेश्याम कानाडे ने बताया कि परिवार से पता चला कि वह मेडिकल की तैयारी कर रही थी। असफल



होने के कारण उसे पढ़ाई का टेंशन हो गया था। संभवतः इसके चलते उसने यह कदम उठाया है। फिलहाल उसके पास कि इसे सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। **परिवार में नहीं थी कोई परेशानी** युवती के बड़े पिता अनिल

सुमन ने बताया कि गार्गी दो बार नोट की एग्जाम दे चुकी थी। इसके बाद वह बैंक की एग्जाम की तैयारी कर रही थी। वहां भी उसे कम नंबर आए। छोटे भाई की भी नौकरी लग गई थी। संभवतः इस वजह से वह परेशान थी। उसे पढ़ाई का टेंशन था। परिवार में ऐसी कोई परेशानी नहीं थी।

अब डिजिटल तकनीक से होगा ऑपरेट, लालबाग पैलेस के संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए खर्च होंगे 5 करोड़

फिर खुलेगा तीन साल से बंद लालबाग का तारामंडल

सिटी चीफ इंदौर। इंदौर। इंदौर के ऐतिहासिक लालबाग पैलेस में स्थित तारामंडल, जो पिछले तीन सालों से बंद पड़ा है, अब फिर से शुरू होने की तैयारी में है। प्रदेश सरकार और इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स द्वारा लालबाग पैलेस के संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए 5 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं, जिसमें तारामंडल को फिर से प्रारंभ करने की योजना भी शामिल है। पुरातत्व विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह जीर्णोद्धार प्रोजेक्ट तीन



साल तक चलेगा और अब तक इसका 30% काम पूरा किया जा चुका है। यह प्रोजेक्ट अगले दो वर्षों तक जारी रहेगा, और इसके तहत तारामंडल को भी आधुनिक तकनीक से अपग्रेड किया जाएगा। तीन साल पहले तारामंडल को ऑपरेट करने वाले कर्मचारी को कैसर हो गया था, जिसके कारण इसका संचालन बंद कर दिया गया था। बाद में विभाग ने अन्य कर्मचारियों से इसे संचालित करवाने की कोशिश की, लेकिन कोई भी इसे सही तरीके से नहीं चला पाया। इस वजह से तारामंडल पर

ताला लग गया और तब से यह बंद पड़ा है। **दर्शकों को बेहतर अनुभव मिलेगा** लालबाग पैलेस में वर्तमान में जो तारामंडल है, वह पुरानी तकनीक पर आधारित है और इसे मैन्युअली संचालित करना पड़ता है। अब इसे पूरी तरह से डिजिटल सिस्टम से अपग्रेड किया जाएगा, जिससे संचालन आसान हो जाएगा और दर्शकों को एक बेहतर अनुभव मिलेगा। वर्तमान में तारामंडल एक छोटे से कमरे में स्थित है, जहां बहुत सीमित संख्या में लोग एक साथ

बैठ सकते हैं। लेकिन नई योजना के तहत इसे बड़े हॉल या किसी अन्य स्थान पर संचालित करने पर विचार किया जा रहा है। संभावना यह भी है कि इसे लालबाग पैलेस के बाहर शिफ्ट कर एक नए स्थान पर विकसित किया जाए, जहां अधिक दर्शक इसे देख सकें। इसके लिए उपयुक्त स्थान का चयन किया जाएगा और वहां शोड आदि का निर्माण किया जाएगा। साथ ही, इसकी टिकट दरों को भी नए सिरे से तय किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

सीएम डॉ. यादव बोले- केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को भोपाल आमंत्रित कर किया जाएगा करार

ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड वाटर रीचार्ज परियोजना

सिटी चीफ इंदौर। भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना विश्व की सबसे बड़ी ग्राउंड वाटर रिचार्ज परियोजना है। इस अंतरराष्ट्रीय संयुक्त परियोजना का अवरोध अब दूर हो गया है तथा हम शीघ्र ही महाराष्ट्र सरकार के साथ चर्चा कर करार करने की ओर बढ़ रहे हैं। जल्द ही केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को भोपाल आमंत्रित कर करार की कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंत्रालय में ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज एवं कन्हान उप कछार परियोजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक कर अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ताप्ती मेगा रिचार्ज योजना के जरिए हम महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ताप्ती नदी की तीन धाराएं बनाकर राष्ट्रहित में नदी जल की बूंद-बूंद का उपयोग सुनिश्चित कर कृषि भूमि का कोना-कोना सिंचित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना को राष्ट्रीय जल



परियोजना घोषित कराने के लिए केंद्र सरकार से चर्चा की जाएगी। ताप्ती बेसिन और कन्हान उप कछार में मध्य प्रदेश द्वारा प्रस्तावित कन्हान (जामघाट) बहुउद्देशीय परियोजना में मध्य प्रदेश के जल हितों का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके लिए महाराष्ट्र राज्य से सतत संवाद कर दोनों परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना में कुल 31.13 टीएमसी. जल का उपयोग होगा। इसमें से 11.76

टीएमसी मध्य प्रदेश को और 19.36 टीएमसी जल महाराष्ट्र राज्य के हिस्से में आएगा।

मप्र में 3362 हेक्टेयर भूमि लाई जाएगी उपयोग में

इस परियोजना में प्रस्तावित बांध एवं नहरों से मध्य प्रदेश कुल 3 हजार 362 हेक्टेयर भूमि उपयोग में लाई जाएगी। परियोजना के अंतर्गत कोई गांव प्रभावित नहीं होगा अतः इसमें पुनर्वास की भी आवश्यकता नहीं होगी। सीएम ने कहा कि हम सालों से लंबित जल

बंटवारे के मसलों को हल करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। दोनों ही राज्य ताप्ती और कन्हान नदी की जो नदी जल परियोजनाएं वर्षों से लंबित थीं, उनके निराकरण की भावना रखते हैं।

ये होगा फायदा

–ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के पूरा होने पर मध्य प्रदेश के 1 लाख 23 हजार 82 हेक्टेयर भू-क्षेत्र और महाराष्ट्र के 2 लाख 34 हजार 706 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की स्थाई सुविधा उपलब्ध होगी।

–इस परियोजना से मध्य प्रदेश के बुरहानपुर एवं खंडवा जिले की बुरहानपुर, नेपानगर, खकनार एवं खालवा की कुल चार तहसीलें लाभान्वित होंगी।

–कन्हान उपकछार में जल उपयोगिता के लिए मध्यप्रदेश द्वारा प्रस्तावित छिंदवाड़ा कॉम्प्लेक्स बहुउद्देशीय परियोजना के माध्यम से महाराष्ट्र के नागपुर शहर को भी पीने का पानी मिलेगा और हमारे छिंदवाड़ा जिले के कृषि क्षेत्र में भी पर्याप्त जल उपलब्ध होगा।

–दोनों राज्यों के अधिकारी आपस में

संवाद करेंगे और इन परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना के अंतर्गत मुख्य रूप से चार जल संरचनाएं प्रस्तावित

1– खरिया गुटीघाट बांध स्थल पर लो डायवर्सन वियर = यह वियर दोनों राज्यों की सीमा पर मध्य प्रदेश की खंडवा जिले की खालवा तहसील एवं महाराष्ट्र की अमरावती तहसील में प्रस्तावित है। इसकी जल भराव क्षमता 8.31 टीएमसी प्रस्तावित है।

2–दाई तट नहर प्रथम चरण = प्रस्तावित खरिया गुटीघाट वियर के दाएं तट से 221 किलोमीटर लंबी नहर प्रस्तावित है, जो मध्य प्रदेश में 110 किलोमीटर बनेगी। इस नहर से मध्य प्रदेश के 55 हजार 89 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी।

3– बाई तट नहर प्रथम चरण= प्रस्तावित खरिया गुटीघाट वियर के बाएं तट से 135.64 किलोमीटर लंबी नहर प्रस्तावित है जो मध्य प्रदेश में 100.42 किलोमीटर बनेगी। इस नहर से मध्य प्रदेश के 44 हजार 993 हेक्टेयर क्षेत्र में

सिंचाई प्रस्तावित है।

4–बाई तट नहर द्वितीय चरण = यह नहर बाई तट नहर प्रथम चरण के आर डी 90.89 कि मी से 14 किलोमीटर लंबी टनल के माध्यम से प्रवाहित होगी। इसकी लंबाई 123.97 किलोमीटर होगी, जिससे केवल महाराष्ट्र के 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई प्रस्तावित है

छिंदवाड़ा कॉम्प्लेक्स बहुउद्देशीय परियोजना

कन्हान उप कछार में प्रस्तावित छिंदवाड़ा कॉम्प्लेक्स बहुउद्देशीय परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति राशि 5470.95 करोड़ वर्ष 2019 में जारी की गई। इसके अंतर्गत संगम एक, संगम दो, रामघाट एवं पांडुर्णा बांध का निर्माण कार्य होगा। इसका सिंचाई क्षेत्र एक लाख 90 हजार 500 हेक्टेयर होगा।

लाभान्वित विकासखंड में जुनारदेव, उमरेठ, छिंदवाड़ा, मोहखेड, पांडुर्णा, सौंसर एवं बिछुआ शामिल है। औद्योगिक क्षेत्र के लिए 20 मिलियन घन मीटर जल आरक्षित होगा। जल विद्युत उत्पादन 30 मेगावाट होगा।

मुस्लिम युवती और हिंदू युवक की शादी पर मिलेगी सुरक्षा

मप्र की ग्वालियर हाइकोर्ट ने एसपी को दिए निर्देश

सिटी चीफ इंदौर। भोपाल। अंतरधार्मिक विवाह की इच्छा लेकर एक प्रेमी जोड़े ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में सुरक्षा की मांग लेकर पहुंचा। हाई कोर्ट ने याचिका की सुनवाई के दौरान पूछा कि लड़का हिंदू है और लड़की मुस्लिम, क्या दोनों शादी कर सकते हैं? इस पर मामले में पैरवी कर रहे अधिवक्ता ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के मौलिक अधिकारों का अंतर किसी भी धर्म के आधार पर नहीं किया जा सकता। न ही उसे शादी करने से रोका जा सकता है।

सुरक्षा की गुहार पर शासन की ओर से पैरवी करने वाले अधिवक्ता ने कहा कि देश के हर व्यक्ति को सुरक्षित जीवन जीने का अधिकार है। ऐसे में संविधान के अनुसार याचिकाकर्ताओं को सुरक्षा दी जानी चाहिए।

हाई कोर्ट ने इस मामले में तर्क सुनकर शिवपुरी के एसपी को आदेश दिया कि शादी का पंजीकरण करवाने से लेकर हर एक तारीख पर याचिकाकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान की जाए। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता के अनुसार, प्रेमी जोड़े ने शादी करने के लिए हाई कोर्ट से सुरक्षा मांगी।



इस पर सुनवाई के दौरान मुस्लिम ला की धारा 259 पर भी विमर्श किया गया। कोर्ट ने यह पाया कि हिंदू युवक और मुस्लिम युवती की शादी अमान्य नहीं हो सकती।

स्पेशल मैरिज एक्ट तहत वैध

ऐसे में वो स्पेशल मैरिज एक्ट की धारा चार के अंतर्गत शादी भी कर सकते हैं और

उसे पंजीकृत भी करवाया जा सकता है। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कहा कि अगर युवक के खिलाफ कोई शिकायत दर्ज की गई है या भविष्य में की जाती है तो उसमें पहले युवती के बयान दर्ज किए जाएं और पूरी जांच-पड़ताल करने के बाद ही कोई अग्रिम कार्रवाई की जाए।

सिटी चीफ इंदौर। भोपाल। राजधानी भोपाल की जिला अदालत में पिपरिया से हिंदू युवती को भगाकर कोर्ट मैरिज करने पहुंचे मुस्लिम युवक को कोर्ट के अंदर जमकर लात घूसों से पीटा गया। मारपीट युवती के परिजनों के साथ हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने की। कोर्ट की सूचना के बाद पुलिस युवक-युवती को एमपी नगर थाने लेकर आई। परिजनों ने मुस्लिम युवक के खिलाफ लव जिहाद का प्रकरण दर्ज करा दिया। पुलिस ने आरोपी मुस्लिम युवक को गिरफ्तार कर युवती को परिजनों के साथ पिपरिया भेज दिया।

एमपी नगर थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा ने बताया कि शहजाद नाम का युवक नर्मदापुरम जिले के पिपरिया का रहने वाला है। उसने एक हिंदू युवती से तीन साल पहले फेसबुक पर दोस्ती की और हिंदू युवक बनकर उससे बात करने लगा। इसके बाद दोनों में दोस्ती हो गई। दोस्ती के बाद युवक ने



शादी का झांसा दिया और उसे भगाकर शुक्रवार को भोपाल जिला अदालत पहुंचा। पीछे से युवती के परिजन भी संस्कृति बचाओ मंच और हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ कोर्ट पहुंचे और युवक के साथ मारपीट कर दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक और युवती को लेकर थाने आई और पूछताछ की। पूछताछ के बाद शहजाद के खिलाफ धर्म छिपाकर हिंदू युवती को प्रेम में फंसाने और शादी का झांसा देकर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का मामला सामने आने के बाद प्रकरण दर्ज कर युवक को

हिरास्त में ले लिया।

वकीलों ने दी थी सूचना, बाद में पहुंचे माता-पिता

पुलिस सूत्रों की मानें तो शहजाद जैसे ही हिंदू युवती को लेकर कोर्ट में शादी करने पहुंचा, वकीलों ने लव जिहाद का मामला देखते हुए हिंदू संगठनों को सूचना दे दी थी। इसके बाद हिंदू संगठन के लोगों ने युवक को जमकर पीटा। इसके बाद युवती के माता-पिता को भी सूचना दी गई, इसके बाद युवती के माता-पिता और भाई भोपाल पहुंचे। युवती की मां ने पुलिस को बताया कि वह एक परीक्षा देने के बहाने घर से निकली थी।

मेडिकल छात्रों मिलेगी स्टेट ऑफ आर्ट शिक्षा हमीदिया में 7.17 करोड़ में लगेगी अत्याधुनिक कैथलैब मशीन

भोपाल। राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल में हृदय रोगियों के इलाज के लिए अत्याधुनिक कैथ लैब मशीन लगाई जाएगी। अस्पताल में हृदय रोगियों के इलाज के लिए 7 करोड़ 17 लाख रुपये की लागत की अत्याधुनिक कैथलैब मशीन क्रय की स्वीकृति दी गई है।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और चिकित्सा शिक्षा को उन्नत स्तर पर पहुंचाने के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इस मशीन से हृदय रोगियों को उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी साथ ही गांधी मेडिकल कॉलेज और हमीदिया अस्पताल चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों

को प्राप्त करेगा।

जटिल हृदय रोगों के उपचार को सरल बनाएगी

डीन जीएमसी भोपाल प्रो. डॉ. कविता सिंह ने बताया कि यह मशीन हृदय रोग उपचार में नई तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देगी और जटिल हृदय रोगों के इंटरवेंशनल उपचार को सरल बनाएगी। इसके साथ ही मेडिकल छात्रों, पीजी विद्यार्थियों और सुपर स्पेशियलिटी कोर्स (डीएम) करने वाले छात्रों को अत्याधुनिक उपकरणों पर प्रशिक्षण प्राप्त होगा, जिससे उनके कौशल में व्यापक सुधार होगा। उन्नत उपकरणों और आधुनिक मशीनों के माध्यम से टेस्टिंग, ट्रेनिंग और ट्रीटमेंट तीनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त होगी।

100 तंबुओं वाली टेंट सिटी में मिलेगा फाइव स्टार होटल का अनुभव

सिटी चीफ इंदौर। भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के लिए भोपाल में 100 टेंट की लगजरी टेंट सिटी बनाई जाएगी, जहां 23-26 फरवरी तक मेहमान रुक सकेंगे। टेंट्स में अटैच बाथरूम, वाई-फाई, मिनी फ्रिज, एयर कंडीशनिंग और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होंगे। टेंट सिटी का अनुभव पांच सितारा होटल जैसा होगा।

राजधानी भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) 24 और 25 फरवरी को आयोजित होने जा रही है। इसमें भाग लेने के लिए 30 देशों के हजारों प्रतिनिधि भोपाल आने वाले हैं। इनके

लिए भोपाल के 50 होटल में 1500 कमरे बुक किए गए हैं। इसके अलावा अब एक 100 टेंट की टेंट सिटी भी बनाई जा रही है। इसके लिए तीन जगह देखी गई है। इसमें कलियासोत डेम के पास पंडित खुशीलाल आयुर्वेद कॉलेज के बगल में खुला मैदान, केरिया डेम के पास और नीलबढ़-रातीबढ़ रोड ज्यूडियल एकेडमी के पास। इसके लिए पर्यटन विकास निगम ने टेंडर भी जारी कर दिया है। एक दो दिन में जगह फाइनल होने के बाद टेंट सिटी बनाने का काम शुरू हो जाएगा। इन टेंट सिटी में मेहमान 23 फरवरी से 26

फरवरी तक ठहर सकेंगे।

लगजरी होंगी टेंट सिटी में सुविधाएं

टेंट सिटी में लगजरी रूम जैसी सुविधा टेंट में उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें टेंट में डबल बेड के साथ सभी सुविधाएं होंगी। प्रत्येक टेंट में अटैच बाथरूम होगा, जिसमें गर्म पानी, टॉयलेट और आधुनिक स्नान की सुविधाएं होंगी। टेंट्स को लगजरी रूम जैसा अनुभव कराने के लिए शानदार इंटीरियर्स भी होगा, जिसमें लकड़ी का फर्नीचर, कोमल कालीन और स्टायलिश लाइटिंग होंगी। गर्मी या सर्दी के मौसम के हिसाब से एयर कंडीशनिंग या हीटर की

व्यवस्था होगी, ताकि मौसम के हिसाब से आरामदायक तापमान मिले।

इंटरनेट, वाईफाई और मिनी फ्रिज भी मिलेगा

इंटरनेट की सुविधा के साथ टेंट्स में टीवी, मिनी फ्रिज, और चार्जिंग प्वाइंट्स जैसी सुविधाएं होंगी। साथ ही टेंट सिटी की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। चारों तरफ गार्ड्स के साथ ही सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जाएगी। साथ ही टेंट सिटी में 2477 रूम सर्विस, स्पेशल डाइनिंग एरिया और लाउंज जैसी सुविधाएं होंगी। यहां पर मेहमानों को पांच सितारा होटल का अनुभव मिलेगा।

अब कोई भी व्यक्ति लैंड पुलिंग करके बना सकेगा टाउनशिप

मप्र सरकार ने सरल बनाए टाउनशिप विकास के नियम

सिटी चीफ इंदौर। भोपाल। मध्य प्रदेश में शहरों के आसपास किसान, किसानों के समूह या निजी व्यक्ति लैंड पुलिंग करके टाउनशिप बना सकेंगे यानी यदि उनके पास एकीकृत टाउनशिप बनाने के लिए आवश्यक भूमि नहीं है तो वे आसपास के किसान या निजी भूमि को मिलाकर परियोजना बनाएंगे।

इसके लिए भूमि दिलाने के लिए डेवलपर या विकासकर्ता विकास प्राधिकरण या अन्य एजेंसियों से अनुरोध कर सकेंगे। वह आपसी सहमति के आधार पर भूमि दिलाने में भूमिका निभाएंगी। यदि परियोजना क्षेत्र में सरकारी भूमि आती है तो अधिकतम आठ हेक्टेयर सीमा की छूट दी जा

सकेगी। इसके लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने एकीकृत टाउनशिप नीति तैयार की है। इसमें लैंड पुलिंग का प्रावधान रखा गया है। नियम सरल बनाए गए हैं। यह प्रावधान विकास प्राधिकरण सहित अन्य हाउसिंग प्रोजेक्ट करने वाली एजेंसियों के लिए भी लागू होंगे। प्रस्तावित नीति पर अंतिम निर्णय 11 फरवरी को प्रस्तावित कैबिनेट बैठक में होगा।

इसलिए तैयार की गई एकीकृत टाउनशिप नीति

अभी कॉलोनाइजर नियम में कॉलोनी बनाने के लिए न्यूनतम क्षेत्र की कोई आवश्यकता नहीं है इसलिए शहरों में छोटे-छोटे समूहों में कॉलोनियों का निर्माण हो रहा है, लेकिन इसमें



सुविधाओं का विकास नहीं हो पाता है। इसके लिए एकीकृत टाउनशिप नीति तैयार की गई है। इसमें नगर निगम सीमा या योजना क्षेत्र के भीतर पांच

लाख से कम जनसंख्या वाले शहर में न्यूनतम दस हेक्टेयर में कॉलोनी का विकास किया जाएगा। पांच लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहर में भूमि

की यह सीमा दस हेक्टेयर और नगर निकाय सीमा या उसके बाहर न्यूनतम 40 हेक्टेयर रहेगी। इसका मतलब यह हुआ कि अब छोटे-छोटे समूह के स्थान पर एक निश्चित क्षेत्र में कॉलोनी बनेगी।

आपसी सहमति के आधार पर भूमि की व्यवस्था कराई जाएगी

इसके लिए किसान या निजी व्यक्ति के पास आवश्यकता के अनुरूप भूमि नहीं है तो वह समूह बनाकर काम करेंगे। लैंड पुलिंग करके परियोजना क्षेत्र निर्धारित होगा। डेवलपर प्रस्तावित टाउनशिप की सीमा के अंदर 80 प्रतिशत भूमि प्राप्त कर चुका है और शेष भूमि प्राप्त करने में विफल रहता है तो वो संबंधित प्राधिकरण से भूमि

अधिग्रहित करने का अनुरोध करेगा। आपसी सहमति के आधार पर भूमि की व्यवस्था कराई जाएगी। सरकारी भूमि के परियोजना क्षेत्र में आने पर अधिकतम आठ हेक्टेयर तक छूट दी जा सकती है। कृषि भूमि खरीदने पर उच्चतम जोत सीमा में छूट दी जाएगी क्योंकि भूमि उद्देश्य विशेष के लिए ली जा रही है।

50 प्रतिशत का उपयोग जनसुविधा के लिए

स्टॉप इयूटी और अतिरिक्त फ्लोर रेशियो एरिया में छूट दी जाएगी। इसके साथ ही विकास प्राधिकरण या अन्य निर्माण एजेंसी अधिग्रहित की गई जमीन में से 50 प्रतिशत का उपयोग जनसुविधा के लिए कर सकेंगी।

सम्पादकीय

जानलेवा वायु प्रदूषण : बिना धूम्रपान

के भी बढ़ा फेफड़ों का कैंसर

निश्चित रूप से दुनिया भर में व्याप्त वायु प्रदूषण के संकट से निपटने के लिये सामूहिक प्रयास व सत्ताधीशों की सक्रियता नजर नहीं आती। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर की साल 2024 में आई एक रिपोर्ट में पूरी दुनिया में 81 लाख लोगों के वायु प्रदूषण से मरने का आंकड़ा सामने आया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अकेले भारत में इक्कीस लाख मौतें वायु प्रदूषण जनि्त विभिन्न बीमारियों से होने की आशंका है। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत विभिन्न बड़े शहरों में वायु प्रदूषण के चिंताजनक आंकड़े अकसर सामने आते रहते हैं। यहां तक कि कई बार देश की शीर्ष अदालत दिल्ली को गैस चेंबर बनाने का आक्षेप लगाती रही है। लेकिन जब वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है तो विभिन्न ग्रेप मानकों के अंतर्गत कार्रवाई फौरी तौर पर की जाती है। इसके बावजूद सूक्ष्म कणों यानी पीएम 2.5 का स्तर लगातार बढ़ता ही रहता है।

देश की लगातार खराब होती आबोहवा के बावजूद वायु प्रदूषण व्यापक राष्ट्रीय विमर्श का मुद्दा न बन पाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। विडंबना यह है कि जन स्वास्थ्य से जुड़ा यह मुद्दा न तो चुनावी घोषणा पत्रों में नजर आता है और न ही नीति-निरंथा ही इस विषय पर संवेदनशील नजर आते हैं। नागरिकों के स्तर पर भी हम वह जागरूकता नहीं ला पाए हैं, जिससे वे जनप्रतिनिधियों को वायु प्रदूषण रोकने के लिये कारगर नीति बनाने के लिये बाध्य कर सकें। हाल ही में सामने आए एक शोध का वह निष्कर्ष चौंकाने वाला है कि दक्षिण-पूर्व एशिया में धूम्रपान न करने वाले लोगों में भी फेफड़े के कैंसर के मामलों में खासी तेजी आई है। एक नया अध्ययन बताता है कि इस संकट की मूल वजह वायु प्रदूषण ही है। हाल ही में लैंसेट रेस्पिरेटरी मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में खुलासा किया गया है कि साल 2022 में पच्चीस लाख लोगों में इस बीमारी का पता चला था। हालांकि, इस कैंसर का शिकार होने वालों में ज्यादा संख्या पुरुषों की थी लेकिन महिलाओं की संख्या में भी अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई। वहीं दूसरी ओर विश्व स्वास्थ्य संगठन की अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी यानी आईएआरसी समेत कई अन्य संगठनों के शोधकताओं ने डेटा विश्लेषण के बाद निष्कर्ष दिया कि एडेनोकार्सिनोमा पुरुषों और महिलाओं में कैंसर का एक मुख्य कारक बनता जा रहा है। यानी ऐसा कैंसर जो बलगम और पाचन में मदद करने वाले तरल पदार्थ उत्पन्न करने वाली ग्रंथियों से शुरू होता है। वर्ष 2022 में दुनिया भर में कभी धूम्रपान न करने वाले लोगों के फेफड़ों के कैंसर के 53 से 70 फीसदी मामले इसी कारक की वजह से सामने आए हैं। यह विडंबना ही है कि जहां एक ओर दुनिया में धूम्रपान का प्रचलन कम होता जा रहा है, लेकिन उसके बावजूद धूम्रपान न करने वालों के फेफड़ों में कैंसर का अनुपात बढ़ रहा है। जो कैंसर से संबंधित मृत्यु का पांचवां प्रमुख कारण माना जाता है। निश्चित रूप से दुनिया भर में व्याप्त वायु प्रदूषण के संकट से निपटने के लिये सामूहिक प्रयास व सत्ताधीशों की सक्रियता नजर नहीं आती। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर की साल 2024 में आई एक रिपोर्ट में पूरी दुनिया में 81 लाख लोगों के वायु प्रदूषण से मरने का आंकड़ा सामने आया था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अकेले भारत में इक्कीस लाख मौतें वायु प्रदूषण जनि्त विभिन्न बीमारियों से होने की आशंका है। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत विभिन्न बड़े शहरों में वायु प्रदूषण के चिंताजनक आंकड़े अकसर सामने आते रहते हैं। यहां तक कि कई बार देश की शीर्ष अदालत दिल्ली को गैस चेंबर बनाने का आक्षेप लगाती रही है। लेकिन जब वायु प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है तो विभिन्न ग्रेप मानकों के अंतर्गत कार्रवाई फौरी तौर पर की जाती है। इसके बावजूद सूक्ष्म कणों यानी पीएम 2.5 का स्तर लगातार बढ़ता ही रहता है। सत्ताधीश इसके लिये पराली जलाने वाले किसानों को जिम्मेदार बताकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेते हैं। हाल में आए एक अध्ययन में बताया गया है कि अक्तूबर-नवंबर में दिल्ली व एनसीआर में होने वाला ज्यादातर प्रदूषण काफी हद तक स्थानीय कारणों से उत्पन्न होता है। आकाश परियोजना के तहत जापान के एक शोध संस्थान द्वारा कराया गया एक

पाकिस्तान के अस्तित्व का प्रश्न

तीन-चार दिन पहले पाकिस्तान सरकार ने सार्वजनिक छुट्टी की थी। सरकार का कहना है कि पाकिस्तान के लोगों को कश्मीर के साथ एकजुटता का प्रदर्शन करना है जो शहबाज शरीफ के अनुसार पाकिस्तान में शामिल होने के लिए तड़प रहे हैं, लेकिन भारत सरकार उन्हें जबरदस्ती भारत में रखे हुए है। जब पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान के लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश कर रही थी कि कश्मीरी पाकिस्तान में मिलने के लिए छटपटा रहे हैं, उन्हीं दिनों पाकिस्तान में रहने वाले बलोच और पश्तून पाकिस्तान से अलग होने की कोशिश में मशगूल थे। बलोचिस्तान के लोगों ने इस काम के लिए बीएलए यानी बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी बना रखी है। इसी प्रकार पश्तूनों ने पाकिस्तान से निकलने के लिए टीटीपी यानी तहरीके तालिबान पाकिस्तान का गठन किया हुआ है। ये दोनों संगठन अपने स्वभाव और प्रकृति के अनुरूप ही अपना मुकाम हासिल करने के लिए हथियारों का इस्तेमाल करते हैं। बलोचों को यह अंदेशा हो गया है कि पाकिस्तान सरकार बलोचिस्तान को परोक्ष रूप से चीन के हवाले करने जा रही है। दरअसल इस्लामाबाद ने बलूचिस्तान में गवादर बंदरगाह एक प्रकार से चीन के हवाले की हुई है। इसलिए उस इलाके में बलोच कम और चीनी ज्यादा दिखाई देने लगे हैं। ये चीनी सैनिक और चीनी इंजीनियर इत्यादि बलोचों से तिरस्कार से बात करते हैं। बलोच लिबरेशन आर्मी समय-स्थान देखकर पाकिस्तानी सेना पर हमला करती रहती है। लेकिन जिन दिनों पाकिस्तान कश्मीरियों को पाकिस्तान में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहा था, उन्हीं दिनों बलोच नौजवान कलात में घात लगा कर पाकिस्तानी सेना के लोगों का इंतजार कर रहे थे। घात लगा कर किए इस हमले में पाक सेना के 18 सैनिक तो मौके पर ही मारे गए, यह सूचना है।

बहुत से सैनिक घायल भी हुए। इसके दूसरे दिन ही पश्तूनों के सूबे खैबर पख्तूनखवा में बलूचिस्तान के चार सरकारी कर्मचारियों की डेरा ईसमाईल खान में हत्या कर दी गई। यह मारा जा रहा है कि यह टीटीपी का कारनामा है। पश्तून और बलोचों का गुस्सा पंजाबियों के खिलाफ है। पाकिस्तान में बलोच, सिंधी और पश्तून यह मान कर चलते हैं कि

पाकिस्तान का अर्थ असल मायने में पंजाबी जाटों, राजपूतों और सैयदों का देश है। इनके देश में बाकी बिरादरियां मसलन सिंधी, बलोच और पश्तून दोयम दर्जे के नागरिक ही हैं। सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनखवा के प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग पंजाब के लोग करते हैं और बाकी बिरादरियों का पंजाबियों द्वारा शोषण किया जाता है। सिंधियों का ‘जिए सिंध’ अहिंसक है, लेकिन बलोचों और पश्तूनों का आंदोलन उनकी परंपरा के अनुसार बंदूक का आंदोलन है। पहले पहल बीएलए और टीटीपी अलग-अलग आंदोलन चलाते थे। पाकिस्तान सरकार को शक है कि पिछले कुछ समय से ये दोनों आपसी तालमेल बढ़ा रहे हैं और आपसी सहयोग से ही निशाना चुनते हैं और उसे अंजाम देते हैं। पाकिस्तान की चिंता का एक दूसरा कारण भी है। खैबर पख्तूनखवा (केपी) के पश्तून लड़ाकों को अफगानिस्तान में तीन साल पहले बनी पश्तूनों की सरकार भी मदद कर रही है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक करके काबुल को डराने और धमकाने की कोशिश की। लेकिन लम्बे अरसे तक रूस और अमेरिका की फौजों से लड़ते लड़ते पश्तून इस स्ट्राइक से और भी उग्र हो गए और उन्होंने पाकिस्तान के भीतर घुस कर पाक सरकार को चुनौती दी। अकेले बलोचिस्तान में ही पिछले एक महीने में बलोच नौजवानों ने 24 बार अलग अलग स्थानों पर पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों पर हमले किए जिनमें ग्यारह पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। जहां तक हथियारों का प्रश्न है, कहा जाता है कि काबुल छोड़ते समय अमेरिकी सेना हथियारों के जो जखीरे छोड़ गई थी, उसका कुछ हिस्सा टीटीपी के हाथ भी लग गया है। अब प्रश्न उठता है कि जिस पाकिस्तान में पंजाबी जाटों, सैयदों को छोड़ कर शेष बचे सिंधी, बलोच और पश्तून भी रहना नहीं चाहते, वहां भला कश्मीरी क्या करने जाएगा? इतना ही नहीं, वहां से निकलने के लिए बलोच और पश्तून तो बंदूक लेकर पाकिस्तानी सेना से लगातार लड़ रहे हैं। वहां कश्मीरी की क्या हैसियत होगी? लेकिन पाकिस्तान की सरकार, जिसको बलोच और पश्तून आम तौर पर पाकिस्तान की सरकार नहीं कहते बल्कि पंजाबियों और सैयदों की सरकार ही कहते हैं,

कश्मीरियों को पाकिस्तान में आने के लिए निमंत्रण दे रही है। अब इसकी चर्चा कश्मीर के उस हिस्से में भी होने लगी है, जो 1947 से ही पाकिस्तान के कब्जे में बना हुआ है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण गिलगित और बलतीस्तान ही हैं। बलतीस्तान का एक हिस्सा कारगिल को 1947 में ही भारतीय सेना ने छुड़ा लिया था, लेकिन उसका शेष विशाल हिस्सा पाकिस्तान सरकार के कब्जे में ही रहा। पाकिस्तानी सेना ने 1999 में कारगिल पर एक बार फिर कब्जा करने की कोशिश की, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। गिलगित में से चीन सरकार सडक बना रही है, इसलिए वहां चीनी सैनिकों एवं अन्य चीनी कर्मियों का जमावड़ा बना रहता है। गिलगित के दरद और बलतीस्तान के बलती पाकिस्तान सरकार द्वारा किए जा रहे सौतेले व्यवहार से त्रस्त होकर पिछले कुछ वर्षों से संगठित होने लगे हैं, ऐसी सूचना है।

वे भी पाकिस्तान सरकार के खिलाफ किसी न किसी रूप में लामबंद होने लगे हैं। पाकिस्तान सरकार इन इलाकों की किसी न किसी तरह पहचान समाप्त करने की कोशिश में लगी रहती है। उसने हजारा और चित्राल को तो केपी में ही मिला दिया है। अब बलती और दरद, पाकिस्तान सरकार से प्रश्न करने लगे हैं कि हम पाकिस्तान में रहते हैं, उसके बावजूद हमें बेगानों की तरह देखा ही नहीं जाता बल्कि परोक्ष रूप से पंजाबी और सैयद ही हम पर राज करते हैं। बलती और दरद भाषाओं को अकादमिक जगत और प्रशासन में से दूध की मक्खी की तरह निकाल दिया गया है। यही कारण है कि अब पाकिस्तान में पंजाबियों और सैयदों को छोड़ कर बाकी बिरादरियों में चर्चा का विषय यह बनता जा रहा है कि शासन पर कब्जा जमा कर बैठे सिंडीकेट से देश के भीतर के ही बलोच और पश्तून तो संभाले नहीं जाते। वे पंजाबियों और सैयदों के व्यवहार से तंग आकर बंदूक उठा रहे हैं और सरकार कश्मीरियों को झंसा देकर अपने जाल में फंसाना चाहती है। यही कारण है कि अब कश्मीर में चर्चा का विषय पाकिस्तान में बलतियों, सिन्धियों, बलोचों, दरदों और पश्तूनों की हालत बना हुआ है। जो कश्मीरी नौजवान सैयदों के झंसे में आकर पाकिस्तान चले भी गए थे, वे भी निराश होकर वापस

19 जून 1947 को बंबई में जन्मे सर अहमद सलमान रुश्दी स्वयं को मिडनाइट्स चिल्ड्रन में गिनते हैं। इस विश्वविख्यात रचनाकार के दूसरे उपन्यास का नाम है, मिडनाइट्स चिल्ड्रेन, जिसकी कहानी 1947–1977 के बीच चलती है। इस ऐतिहासिक, आत्मकथात्मक घोषित मैजिकल रियलिज्म उपन्यास ने रुश्दी को 1981 में बुकर पुरस्कार दिलाया। कुछ साल बाद 1993 में इसी किताब के लिए उन्हें बुकर ऑफ बुकर्स से भी नवाजा गया, फिर 2008 में बेस्ट ऑफ बुकर भी उन्हें मिला। ब्रिटेन ने उन्हें सर की उपाधि दी है, अभी वे अमेरिकन नागरिक हैं।

साहित्यिक दुनिया जिस रुश्दी को नोबेल मिलने और उसका समारोह मनाने की प्रतीक्षा कर रही थी, उस पर कट्टरपंथियों ने जानलेवा हमला किया। उनकी झोली में उपरोक्त उपन्यास के अलावा ग्राइमस, शालीमार द क्लाउन, शेम, द ग्राउंड बिनीथ हर फीट, फ्यूरी, गोल्डेन हाउस, द मूर्स लास्ट साई, द सेंटनिक वर्सेस, दि एंचान्टेस ऑफ फ्लोरेंस, विट्री सिट भी हैं, उन्होंने अपने बेटे केलिए हारुन एंड द सी ऑफ स्टोरीज लिखा, साथ ही गद्य के अन्य तमाम नमूने भी रुश्दी ने रचे हैं।

उपन्यास जिससे ला दी साहित्यिक और राजनैतिक इलाकों में भूचाल
व्यंजनापूर्ण कार्य द्वारा विचारपूर्ण हास्य गद्य में अपनी बात कहने वाले इस लेखक का चौथा उपन्यास द सैटनिक वर्सेस 1988 में ब्रिटेन में और 1989 में अमेरिका में प्रकाशित हुआ, इसके प्रकाशित होते ही साहित्यिक और राजनैतिक इलाकों में भूचाल आ गया। इसे प्रतिबंधित कर दिया गया (अब फिर से भारत में मिल रहा है) एक धार्मिक नेता ने उनका सिर काट लाने पर इनाम घोषित कर दिया। लिखने के अपने जोखिम और खतरे होते हैं, रुश्दी को भूमिगत होना पड़ा। राज्य से सुरक्षा लेनी पड़ी, रहने के ठिकाने बदलने पड़े। क्या फतवा देने वाले और उसे कारगर करने केलिए जोश वालों ने उपन्यास पढ़ा है? हालांकि रुश्दी ने मुसलमानों से माफी मांग ली, इसके बावजूद उन्हें छिप कर रहना पड़ रहा था। कई दशकों के बाद वे सतर्क पर निर्भीक रहने लगे थे कि भरी सभा में उन्हें चाकू से गोद दिया गया। कट्टरपंथियों ने मिस्र के नोबेल पुरस्कृत नजीब महफूज पर भी जानलेवा हमला किया था। रुश्दी नाइफ में इस घटना का उल्लेख करते हैं, तनिक दूसरे ढंग से। महफूज ने तब रुश्दी के फतवे का विरोध किया था और लिखा था विचार एवं

लेखन बचा रहेगा। महफूज का बचा रहा, रुश्दी आशा करते हैं, उनका लिखा भी बचा रहेगा (इसमें कोई शक नहीं है)। रुश्दी के अनुवादक, प्रकाशक भी इस फतवे की चपेट में आए। वे न्यूयॉर्क के एक सुदूर इलाके में अमेरिका-निर्वासित लेखकों की शरणस्थली तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सुरक्षित घर पर बोलने गए थे, तब हमला हुआ। अमेरिका भी सुरक्षित नहीं है। वहां भी टॉवर गिरते हैं और अब साहित्य के एक टॉवर पर निंदनीय हमला हुआ है। इस बार उनके लिए यह जीवन-मरण का प्रश्न बन गया।

फतवा के समय भूमिगत रहते हुए और अब एक लंबे समय तक जिंदगी-मौत से लड़कर निकलने के बाद एक बात जो रुश्दी के विषय में मजबूती से कही जा सकती है, वह है उनकी रचनात्मकता, उनकी जिवविषा। हर बार उनके लेखन को नवजीवन मिलता रहा है। वे कुछ नया रचते हैं। इस बार हमले के पश्चात भी उन्होंने नाइफ-मेडीटेशन्स आफ्टर एन अटेम्प्ट्ड मर्डर रचा है। अभिव्यक्ति की आजादी के पैरोकार (उनके एक संग्रह का नाम लैंग्वेजेज ऑफ टूथ है) ने इस बार उपन्यास नहीं, बल्कि संस्मरण लिखा है।

अपने स्पष्ट गद्य के लिए प्रशंसित सलमान रुश्दी का काम मुख्यरूप से पूर्वी तथा पश्चमी सभ्यताओं के अवरोधों तथा प्रवासन को संबोधित करता है। वे प्रवासी की तरह भारत पर पैनी नजर रखते हैं। इंग्लिश भाषा पर रुश्दी का अधिकार तथा यथार्थ और कल्पना का अद्भुत मिश्रण चकित करने वाला है। उनका गद्य पाठक को अपनी मोहकता में घेता है। अपने संस्मरण नाइफ में वे हत्यारे का नाम नहीं देते हैं, उसे दि ए नाम से संबोधित करते हैं। इसके प्रति तनिक भी कटु नहीं हैं, वे जानना चाहते हैं, आखिर उसके भीतर यह चाकू कैसे उगा? बुरी तरह से घायल अवस्था में वे भी उनका मस्तिष्क सचेत था और लिखते समय वे सदा की तरह अपने सही तेवर और विट के साथ उपस्थित हैं। कभी-कभी वे सोचते हैं, शर्मिदा होते हैं कि उन्होंने उलट कर प्रतिकार क्यों नहीं किया? फिर सोचते हैं, मैं क्या कर सकता था? यह हमला आकस्मिक और अनेपक्षित था। वे इस बात को गर्व के साथ लिखते हैं कि उन्होंने सारे बार सामने झेले, भागे नहीं, उनकी पीठ पर कोई जख्म नहीं है। मौत सामने देख कर भी उन्होंने आपा नहीं खोया। नाइफ पढ़ते हुए पाठक के मन में सलमान रुश्दी हेतु सम्मान थोड़ा और बढ़ जाता है।



दिल्ली राज्य विधानसभा के चुनाव में डेढ़ दशक से सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की करारी हार सत्ता स्वार्थ के आगे नैतिकता को आवारा छोड़ने की धूर्तता, कथनी और करनी में लगातार गहराते अंतर और भ्रष्टाचार के खिलाफ चले अण्णा आंदोलन के बाद उभरी वैकल्पिक राजनीति में नैतिक उम्मीद की भी करारी हार है। बेशक इस कांटे की लड़ाई में देश पर राज कर रही बीजेपी ने तीन दशक बाद अपनी जबर्दस्त चुनावी रणनीति से दिल्ली राज्य का किला सर कर लिया है, तो इसके पीछे बड़ी वजह देश की राजधानी के मतदाता का आम आदमी पार्टी से हुआ मोहभंग बड़ा कारण है। इस चुनाव नतीजे के तीन सबक हैं। पहला तो यह कि कोई भी राजनीति पार्टी भले ही कितनी नीतिमत्ता के दावे करे, सत्ता की काजल की कोठरी के दाग से नहीं बच पाती। दूसरे, केवल रेवड़ी बांटना ही अब चुनावी जीत का प्रमुख कारण नहीं रह गया है। वरना इस रेवड़ी कल्चर के पोस्टर ब्वाय खुद अरविंद केजरीवाल अपनी सीट नहीं गंवाते। तीसरा, चुनाव कैसे जीते जाते हैं, यह दूसरे राजनीतिक दलों को भाजपा से सीखना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के लिए देश की राजधानी में तीन बार भगवा फहराने के बाद भी लाल किले की प्राचीर आम आदमी पार्टी के अभेद्य बनी हुई थी। शुरू में केजरीवाल की अलग सियासी लाइन दिल्ली के मतदाताओं को मोहित किया था। कांग्रेस, बीजेपी और साम्यवादियों की वैचारिक राजनीतिक लाइन से हटकर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सत्ता पर काबिज रहने की एक ऐसी गड्ढाड्डु संस्कृति विकसित कर ली थी, जिसमें मतदाता को मुफ्तखोरी का लती बनाना, खुद अपनी ईमानदारी का ढिंढोरा पीटना, वक्त पड़ने पर मुकर जाना, खुद को धार्मिक व्यक्ति तथा गरीब हितैषी के रूप में पेश करना शामिल था। सबसे बड़ी विडंबना ये कि भ्रष्टाचार जैसी जिस गंभीर सामाजिक राजनीतिक

यू दिल्ली विधानसभा और सरकार की हैसियत किसी बड़े नगर निगम से ज्यादा नहीं है, लेकिन इसकी हार-जीत का संदेश देश की राजनीति की दिशा और दशा जरूर तय करता है। इस बार

इस चुनाव में आप की करारी हार के लिए भाजपा के आक्रामक प्रचार से अधिक आप की गलतियां ज्यादा जिम्मेदार हैं। इसकी एक बड़ी वजह केजरीवाल का अहंभावी होना है। उनकी हार की सबसे ज्यादा खुशी उनके पूर्व साथियों और आप के हाथों दिल्ली में अपनी राजनीतिक जमीन गंवाने वाली कांग्रेस को है, जो चुनाव में एक भी सीट न जीतने के बावजूद इस बात से गदगद है कि केजरीवाल हारे और कांग्रेस आप अपनी सरकार के पहले कार्यकाल में किए गए कुछ कामों और साथ में बांटी जा रही रेवड़ियों को सत्ता का आजीवन पट्टा मानकर चल रही थी। जिसे दिल्ली के मतदाता ने ही निरस्त कर दिया है। केजरीवाल की गारंटियों और वैकल्पिक राजनीति के वादों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी और दिल्ली के समुचित विकास के वादे भारी पड़े हैं। इस नतीजे में यह संदेश भी निहित है कि कोई राज्य सरकार हर मुद्दे पर केन्द्र सरकार से टकराव लेकर सत्ता में बने रहना चाहेगी तो यह लंबे समय तक मुमकिन नहीं है, बावजूद इसके कि बीजेपी ने भी केजरीवाल के हाथो मे बेड़ियां डालने में कोई कसर नहीं छोड़ी थीं।

भारतीय जनता पार्टी के लिए देश की राजधानी में तीन बार भगवा फहराने के बाद भी लाल किले की प्राचीर आम आदमी पार्टी के अभेद्य बनी हुई थी। शुरू में केजरीवाल की अलग सियासी लाइन दिल्ली के मतदाताओं को मोहित किया था। कांग्रेस, बीजेपी और साम्यवादियों की वैचारिक राजनीतिक लाइन से हटकर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सत्ता पर काबिज रहने की एक ऐसी गड्ढाड्डु संस्कृति विकसित कर ली थी, जिसमें मतदाता को मुफ्तखोरी का लती बनाना, खुद अपनी ईमानदारी का ढिंढोरा पीटना, वक्त पड़ने पर मुकर जाना, खुद को धार्मिक व्यक्ति तथा गरीब हितैषी के रूप में पेश करना शामिल था। सबसे बड़ी विडंबना ये कि भ्रष्टाचार जैसी जिस गंभीर सामाजिक राजनीतिक



दिल्ली राज्य विधानसभा के चुनाव में डेढ़ दशक से सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की करारी हार सत्ता स्वार्थ के आगे नैतिकता को आवारा छोड़ने की धूर्तता, कथनी और करनी में लगातार गहराते अंतर और भ्रष्टाचार के खिलाफ चले अण्णा आंदोलन के बाद उभरी वैकल्पिक राजनीति में नैतिक उम्मीद की भी करारी हार है। बेशक इस कांटे की लड़ाई में देश पर राज कर रही बीजेपी ने तीन दशक बाद अपनी जबर्दस्त चुनावी रणनीति से दिल्ली राज्य का किला सर कर लिया है, तो इसके पीछे बड़ी वजह देश की राजधानी के मतदाता का आम आदमी पार्टी से हुआ मोहभंग बड़ा कारण है। इस चुनाव नतीजे के तीन सबक हैं। पहला तो यह कि कोई भी राजनीति पार्टी भले ही कितनी नीतिमत्ता के दावे करे, सत्ता की काजल की कोठरी के दाग से नहीं बच पाती। दूसरे, केवल रेवड़ी बांटना ही अब चुनावी जीत का प्रमुख कारण नहीं रह गया है। वरना इस रेवड़ी कल्चर के पोस्टर ब्वाय खुद अरविंद केजरीवाल अपनी सीट नहीं गंवाते। तीसरा, चुनाव कैसे जीते जाते हैं, यह दूसरे राजनीतिक दलों को भाजपा से सीखना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के लिए देश की राजधानी में तीन बार भगवा फहराने के बाद भी लाल किले की प्राचीर आम आदमी पार्टी के अभेद्य बनी हुई थी। शुरू में केजरीवाल की अलग सियासी लाइन दिल्ली के मतदाताओं को मोहित किया था। कांग्रेस, बीजेपी और साम्यवादियों की वैचारिक राजनीतिक लाइन से हटकर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सत्ता पर काबिज रहने की एक ऐसी गड्ढाड्डु संस्कृति विकसित कर ली थी, जिसमें मतदाता को मुफ्तखोरी का लती बनाना, खुद अपनी ईमानदारी का ढिंढोरा पीटना, वक्त पड़ने पर मुकर जाना, खुद को धार्मिक व्यक्ति तथा गरीब हितैषी के रूप में पेश करना शामिल था। सबसे बड़ी विडंबना ये कि भ्रष्टाचार जैसी जिस गंभीर सामाजिक राजनीतिक

बुराई के खिलाफ लड़ने के संकल्प के साथ आप दिल्ली में सत्ता में आई थी, वो खुद शराब घोटाले के रूप में उसी में डुबकी लगाने लगी, बावजूद इसके कि व्यक्तिगत तौर पर केजरीवाल और उनकी मंडली का इस घोटाले में लिस होना अभी अदालत में साबित होना है। लेकिन भ्रष्टाचार का दाग वास्तविक भ्रष्टाचार से कहीं ज्यादा गहरा होता है, जो आसानी से नहीं छूटता। ह्यकट्टर ईमानदाररूूूू जैसा अनोखा मुहावरा हिंदी को अरविंद केजरीवाल ने ही दिया था, लेकिन चुनाव नतीजे बता रहे हैं कि जनता ने उन्हें कट्टर बेईमान के आईने में देखा।

इस चुनाव में आप की करारी हार के लिए भाजपा के आक्रामक प्रचार से अधिक आप की गलतियां ज्यादा जिम्मेदार हैं। इसकी एक बड़ी वजह केजरीवाल का अहंभावी होना है। उनकी हार की सबसे ज्यादा खुशी उनके पूर्व साथियों और आप के हाथों दिल्ली में अपनी राजनीतिक जमीन गंवाने वाली कांग्रेस को है, जो चुनाव में एक भी सीट न जीतने के बावजूद इस बात से गदगद है कि केजरीवाल हारे और कांग्रेस का वोट 2 फीसदी बढ़ा। उधर आप अपनी सरकार के पहले कार्यकाल में किए गए कुछ कामों और साथ में बांटी जा रही रेवड़ियों को सत्ता का आजीवन पट्टा मानकर चल रही थी। जिसे दिल्ली के मतदाता ने ही निरस्त कर दिया है। केजरीवाल की गारंटियों और वैकल्पिक राजनीति के वादों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी और दिल्ली के समुचित विकास के वादे भारी पड़े हैं। इस नतीजे में यह संदेश भी निहित है कि कोई राज्य सरकार हर मुद्दे पर केन्द्र सरकार से टकराव लेकर सत्ता में बने रहना चाहेगी तो यह लंबे समय तक मुमकिन नहीं है, बावजूद इसके कि बीजेपी ने भी केजरीवाल के हाथो मे बेड़ियां डालने में कोई कसर नहीं छोड़ी थीं।

आप की इस हार का बड़ा कारण दिल्ली में मध्य वर्ग का पार्टी से मोहभंग है। ये मध्यवर्ग मुख्य रूप से वेतन भोगी

विश्व साहित्य का आकाश: नाइफ-नफरत पर प्रेम की जीत

लाबरिया में नेत्र शिविर का आयोजन 10 फरवरी सोमवार को होगा

धार

जिला अंधत्व निवारण समिति धार एवं चोड़थराम नेत्रालय के तत्वाधान मे निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन सब सेंटर लाबरिया पर प्रातः 10 बजे से होगा। शिविर को लेकर के सब सेंटर लाबरिया पर जनप्रतिनिधि व पत्रकारगण की बैठक का आयोजन हुआ जिसमें नेत्र सहायक सतीश पारासर, डॉक्टर सुखदेव मारु, एएनएम सरोज शर्मा, आंगनवाड़ी कर्ता, आर.पी.एस. कार्यकर्ता, सरपंच प्रतिनिधि रमेश ओसारी, सचिव हीरालाल चारेल, रामाजी सिद्धाड, प्रेस क्लब के शंकर लाल मारु, मयंक जायसवाल, दिनेश



राठौड़, आशीष जैन, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि चयनित मोतियाबिंद मरीजों को निशुल्क लैंस प्रत्यर्पण हेतु टी

चोड़थराम नेत्रालय ले जाया जाएगा जहां पर मरीजों को रहना, खाना, दवाई, चाय, नाश्ता आदि निशुल्क दिया जाएगा। मरीज को लाने ले जाने

के लिए निशुल्क परिवहन सुविधा रहेगी। क्षेत्र में मोतिया बिंद से पीड़ित मरीज को शिविर में आने हेतु आह्वान किया गया।

खंडवा खरगोन संसदीय क्षेत्र के सांसद ने की विकास कार्यों की समीक्षा

खरगोन खंडवा-खरगोन संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल ने 08 फरवरी को अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की बैठक में विकासखंड बड़वाह, भीकनगांव एवं झिरन्या में चल रहे निर्माण कार्यों एवं शासकीय योजनाओं व कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों से कहा गया कि निर्माण कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए और शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का सभी पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जाए। बैठक में कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल, जिला पंचायत सीईओ श्री आकाश सिंह, बड़वाह विधायक श्री सचिन बिरला, श्रीमती नंदा ब्राह्मणे,



तीनों जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर सोनिया मीना ने किया नर्मदा लोक

कॉरिडोर की डीपीआर का अवलोकन

सीएमओ को किया समय पर कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित

नर्मदापुरम शनिवार को कलेक्टर सोनिया मीना ने नर्मदा लोक कॉरिडोर की Detailed Project Report (DPR) का अवलोकन किया। इस योजना के तहत प्रथम चरण में सेवानी घाट से पर्यटन घाट, कोरी घाट और हर्बल पार्क घाट के विकास के लिए 20 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य शुरू होने हैं। कलेक्टर ने संबंधित उपयंत्री को निर्देश दिए कि डीपीआर को तकनीकी स्वीकृति से पहले जिला स्तर की समिति के समक्ष रखा जाए। कलेक्टर ने कहा कि नर्मदा

लोक कॉरिडोर परियोजना को समय पर पूरा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों की निगरानी प्रभावी ढंग से की जाए, ताकि निर्धारित समय सीमा में सभी कार्य पूरे किए जा सकें। इसके अतिरिक्त, कलेक्टर ने राजघाट के विकास कार्य की डीपीआर का भी अवलोकन किया और इसके शीघ्र कार्यान्वयन के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने खोजनपुर में चल रहे लीगेसी वेस्ट प्रबंधन कार्य की समीक्षा की। उन्होंने सीएमओ को



निर्देशित किया है कि संबंधित ठेकेदार से शीघ्र कार्य पूरा करवाया जाना सुनिश्चित करे उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि इसमें किसी भी प्रकार की देरी

नहीं होनी चाहिए। समीक्षा बैठक में सीएमओ हेमेश्वरी पटेल, तहसीलदार देव शंकर धुर्वे, उपयंत्री आयुषी और प्रतीमा बेलिया उपस्थित थे।

जिले में अवैध शराब के संग्रहण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों पर सख्ती कार्रवाई की जाएगी-कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह

जिले में अवैध मदिरा संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध आबकारी विभाग ने कार्रवाई कर 12 प्रकरण किए दर्ज

जप्त सामग्री एवं वाहन का बाजार मूल्य लगभग 107500 रुपए

देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने जिला आबकारी विभाग को सख्त निर्देश दिए हैं कि जिले में अवैध शराब के संग्रहण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों पर सख्ती कार्रवाई करें। जिले में जहां कहीं भी अवैध शराब का परिवहन, विक्रय और संग्रहण हो रहा है, उन भी सख्त कार्रवाई करें। सहायक आबकारी आयुक्त मंदाकिनी दीक्षित ने बताया कि कलेक्टर श्री सिंह ने अवैध शराब के संग्रहण,

विक्रय एवं परिवहन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री सिंह के आदेश के परिपालन में जिले में आबकारी विभाग द्वारा सख्ती से लगातार कार्रवाईयां की जा रही है। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में सहायक जिला आबकारी अधिकारी कमल सिंह सिकरवार के नेतृत्व में आबकारी दल ने देवास शहर में वृत्त (अ,ब,स) वृत्त टोंकखुर्द एवं बागली (अ) में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। जिसमें देवास शहर के नई आबादी, अमोना एवं नागुखेड़ी, जेतपुरा एवं जेल रोड से एक स्कूटर पकड़ा गया। वृत्त टोंकखुर्द में ग्राम राणाघर, वृत्त बगली (अ) में ग्राम रातातलाई, पांडुतालाब, सीतापुरी एवं खुटखाल में संदिग्ध स्थानों पर सर्चिंग की कार्रवाई कर प्रकरण दर्ज किए। आज की कार्रवाई में



एक स्कूटर वाहन तथा मदिरा कुल 233 पाव देशी मदिरा प्लेन, 16 पाव देशी मदिरा मसाला 57 बीयर केन, 09 बीयर बॉटल, 15 लीटर हाथ मदिरा, 07 लीटर ताड़ी एवं 800 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद हुआ। लाहन को विधिवत नष्ट किया गया। कार्यवाही में 12 प्रकरण

मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए, जस सामग्री एवं वाहन का बाजार मूल्य लगभग 107500 रुपए है। आज की कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक राजकुमारी मंडलोई, प्रेम यादव, डीपी सिंह कैलाश

दिल्ली चुनाव में भाजपा की प्रचंड विजय और धार के दामाद नई दिल्ली से प्रवेश वर्मा की विजय पर धार जिला कार्यालय और धामनोद में सांसद सावित्री ठाकुर व जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने आतिशबाजी कर मिठाई बांटी



यह जीत प्रधानमंत्री मोदी जी और भाजपा के प्रति जनता के विश्वास की जीत है-सावित्री ठाकुर
केजरीवाल जैसे शांतिर को धार के दामाद प्रवेश वर्मा ने हराया - निलेश भारती
जिलाध्यक्ष

धार धार – दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर जिला कार्यालय के समक्ष आतिशबाजी कर कार्यकर्ताओं ने धार नगर में वाहन रैली निकाली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के कुशल नेतृत्व में

भाजपा ने 27 साल बाद दिल्ली विधानसभा पर विजय प्राप्त की है। देश के 16 से अधिक राज्यों में भाजपा की सरकार है और अब दिल्ली में भी भाजपा की सरकार बन रही है। भाजपा ने दिल्ली की जनता का दिल जीत लिया है। दिल्ली के मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा पर विश्वास जताकर प्रचंड बहुमत से पार्टी प्रत्याशियों को विजयी बनाया है। उन्होंने यह साबित किया है कि वे अब आम आदमी पार्टी व उसके मुखिया अरविंद केजरीवाल के झूठ-फरेब में आने वाले नहीं हैं। भाजपा की इस जीत का श्रेय मतदाताओं के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं व शीर्ष नेतृत्व को जाता है। आम आदमी पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को धार के



दामाद प्रवेश वर्मा ने बुरी तरह हराया है। इस से यह साबित होता है कि अरविंद केजरीवाल के झूठे वादों से दिल्ली की जनता त्रस्त थी धार की जनता के लिए आज गर्व की बात है कि केजरीवाल जैसे शांतिर को पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा के दामाद प्रवेश वर्मा ने प्रचंड बहुमत से हराया है। उक्त बात धार सांसद व केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर और भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड विजय के उपलक्ष्य में धामनोद में कही। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, संभागीय संगठन प्रभारी राघवेंद्र गौतम, भाजपा नव नियुक्त जिला अध्यक्ष निलेश भारती और

ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंचल पाटीदार, भाजपा प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल उपस्थित थे।
धार जिला भाजपा कार्यालय पर दिल्ली की जीत पर जश्न मनाया
भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि भाजपा जिला कार्यालय पर भव्य आतिशबाजी कर मिठाई बांटी गई। भाजपा की प्रचंड जीत और केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की हार पर धार में कार्यकर्ताओं में अपार उत्साह था और यह उत्साह हो भी क्यों ना क्यों कि केजरीवाल जैसे झूठ बोलने वाले को हराते वाले प्रवेश वर्मा धार के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा के दामाद हैं।

किसानों का ई-केवाईसी सत्यापन, और फॉर्मर्स

रजिस्ट्री का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें

कलेक्टर श्री सिंह ने हरदा और हंडिया तहसील के पटवारियों की बैठक में दिये निर्देश

हरदा कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने शनिवार को हंडिया के तहसील कार्यालय और हरदा के जनपद पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित पटवारियों और सर्वेयर्स की बैठक में निर्देश दिये कि सभी पटवारी व सर्वेयर्स अगले 15 दिन में किसानों के ई-के वाय सी सत्यापन संबंधी कार्य को पूर्ण करें, तथा फार्मर रजिस्ट्री का कार्य 15 फरवरी तक हर हाल में पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि 15 दिन बाद फिर से पटवारियों की समीक्षा बैठक ली जाएगी तथा समीक्षा के दौरान खराब प्रदर्शन वाले पटवारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। बैठक में एसडीएम श्री कुमार शानू देवडिया, डिप्टी कलेक्टर सुश्री शिवांगी बघेल, तहसीलदार श्री वीरेंद्र उईके सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी पटवारियों से एक-एक कर बात की तथा किसानों के ई केवाईसी सत्यापन और फार्मर रजिस्ट्री संबंधी कार्यवाही 15 फरवरी तक पूर्ण करने की हिदायत दी। एसडीएम पटवारियों के कार्य की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा करें कलेक्टर श्री सिंह ने एसडीएम श्री देवडिया को निर्देश दिये कि हरदा एवं हंडिया तहसीलों में कंट्रोल रूम बनाकर पटवारियों द्वारा प्रतिदिन किये



गये कार्य की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि किसान चूंकि दिन में खेत में रहते हैं, अतः पटवारी सुबह या शाम के समय उनके घर जाकर ई-केवायसी सत्यापन, आधार से खसरा लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री जैसे कार्य सम्पन्न करें। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी सर्वेयर्स को निर्देश दिये कि गिरदावरी का कार्य अगले 15 दिन में पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि सर्वेयर्स को मानदेय भुगतान की व्यवस्था के

लिये शासन स्तर से कार्यवाही जारी है। कलेक्टर श्री सिंह ने एसडीएम श्री देवडिया को निर्देश दिये कि जो पटवारी बिना अवकाश लिए मुख्यालय से गायब मिलें, उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने हंडिया तहसील कार्यालय में आयोजित बैठक में निर्देश दिये कि गांवों में राजस्व शिविर लगाकर किसानों के आधार अपडेट, ई-केवायसी सत्यापन, फार्मर रजिस्ट्री व

राजस्व वसूली जैसे कार्य कराये जायें। शिविर के आयोजन का मुनादी कराकर व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक किसान शिविर में उपस्थित हो और उनका सत्यापन हो सके। उन्होंने कहा कि जो किसान शिविर में नहीं आते हैं, उनके घर जाकर सत्यापन का कार्य पूर्ण करें। उन्होंने सभी पटवारियों, तहसीलदार व एसडीएम को राजस्व वसूली बढ़ाने के निर्देश दिये।

जिले की विभिन्न होटलों/रेस्टोरेंट पर घरेलू गैस सिलेंडरों उपयोग करने वालों पर की कार्रवाई

देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने निर्देश दिए हैं कि जिले में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं होटलों पर घरेलू सिलेंडरों का उपयोग करने वालों कार्रवाई करें। इसी के तारत्वय में जिले के विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं होटलों पर कार्रवाई की गई। जिला आपूर्ति अधिकारी शालू वर्मा ने बताया कि कलेक्टर श्री सिंह द्वारा दिये गये निर्देश के पालन में खाद्य विभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी धर्मेन्द्र शर्मा द्वारा घरेलू गैस सिलेन्डरों का व्यावसायिक दुरुपयोग होटल/रेस्टोरेन्ट में करने की जांच गत दिवस की गई। जांच में 05 प्रतिष्ठानों द्वारा घरेलू गैस सिलेन्डरों का व्यावसायिक दुरुपयोग किये जाने पर कार्यवाही करते हुये 05 घरेलू उपयोग के गैस सिलेन्डर जप्त किये गये हैं। इन प्रतिष्ठानों से जप्त किए घरेलू सिलेंडरकार्रवाई के दौरान कन्नौद के प्रतिष्ठान/होटलों में राजस्थान कचौरी जय भवानी सुपर



चाय, महाकल टी स्टॉल, माँ लक्ष्मी दूध डेयरी, साई कृपा चाय सेन्टर पर जप्त की गई। उक्त प्रतिष्ठानों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम

1955 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत कर संबंधितों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

हमास ने रिहाई से पहले तीन इजराइली बंधकों को गाजा में सैकड़ों लोगों के सामने घुमाया

इंटरनेशनल डेस्क. हमास ने तीन इजराइली बंधकों को रिहा करने से पहले गाजा पट्टी में सैकड़ों लोगों की भीड़ के सामने उन्हें घुमाया। पिछले महीने गाजा में हुए युद्ध विराम के तहत इजराइल द्वारा बंधक बनाए गए कई फिलीस्तीनी कैदियों के बदले में तीन इजराइली नागरिकों को शनिवार को रिहा किया जायेगा। इजराइल ने पुष्टि की है कि गाजा पट्टी में संघर्षविराम के तहत हमास द्वारा रिहा किए गए तीन इजराइली बंधक उनकी सेना को मिल गए हैं। अब इजराइल को भी दर्जनों फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना है। हमास ने तीनों बंधकों को शनिवार को गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिया। रिहा हुए बंधकों को चिकित्सा उपचार के लिए ले जाया जाएगा और 16 महीने की कैद के बाद उनके परिवार से मिलाया जाएगा। जिन बंधकों को हमास द्वारा रिहा किया गया उनके नाम एली शरबी (52), ओहद बेन अमी (56) तथा ओर लेवी (34) हैं। इन सभी



को सात अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले में बंधक बना लिया गया था। आज रिहा किए गए बंधकों में इजराइल में 183 फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। रेड क्रॉस को सौंपने से पहले हमास के लड़ाके तीनों बंधकों को सैकड़ों लोगों की भीड़ के सामने ले गए और एक-एक करके तीनों को बोलने के लिए माइक दिया गया।

तीनों ने सार्वजनिक रूप से अपना बयान दिया। बंधकों को सार्वजनिक रूप से बयान दिलवाने के संबंध में इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, “हम शनिवार को हुए चौंकाने वाले दुश्मों को स्वीकार नहीं करेंगे। हालांकि, बयान में किसी दंडात्मक उपाय की बात नहीं की गई है। यह पहली बार है, जब युद्ध विराम के इस चरण के

दौरान मुक्त किये गए बंधकों को उनकी रिहाई के दौरान सार्वजनिक रूप से बयान देने के लिए कहा गया। इजराइल और हमास के बीच 19 जनवरी को संघर्षविराम के शुरू होने के बाद से यह बंधकों के बदले कैदियों की पांचवीं अदला-बदली है। शनिवार से पहले, 18 बंधकों और 550 से अधिक फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया गया था।

डाक्टरों का नया चमत्कार !

सुअर की किडनी लगाकर बचाई इंसान की जान, मरीज स्वस्थ होकर लौटा घर

इंटरनेशनल डेस्क. चिकित्सा विज्ञान में एक क्रांतिकारी सफलता हासिल हुई है। वैज्ञानिकों ने पहली बार जीन-संशोधित सुअर की किडनी को इंसान में प्रत्यारोपित करने में सफलता पाई है। 66 वर्षीय टिम एंड्रयूज नामक मरीज पर यह सर्जरी जनवरी के अंत में की गई थी, और वह अब पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। इस उपलब्धि से किडनी फेल्योर से जूझ रहे लाखों मरीजों को नई उम्मीद मिली है। यह सर्जरी मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में की गई, जहां वैज्ञानिकों ने विशेष रूप से जीन-संशोधित सुअर की किडनी को मानव शरीर में प्रत्यारोपित किया। यह पहला मौका था जब यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा स्वीकृत क्लिनिकल ट्रायल के तहत सुअर की किडनी इंसान में लगाई गई। अमेरिका में इस समय एक लाख से अधिक मरीज अंग प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे हैं, जिनमें से अधिकांश को किडनी की जरूरत है। लेकिन अंगदाताओं की भारी कमी के चलते हर साल हजारों लोगों की मौत हो जाती है। इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिक लंबे समय से ऐसे तरीकों की खोज कर रहे थे जिससे पशुओं के अंगों को इंसानों में प्रत्यारोपित किया जा सके। अमेरिका में यह चौथा मौका है जब सुअर की किडनी का प्रत्यारोपण किया गया, लेकिन यह पहला ट्रांसप्लांट है जिसे स्रष्ट-अनुमोदित क्लिनिकल ट्रायल के तहत किया गया। इससे पहले हुए दो प्रत्यारोपण में मरीजों की मृत्यु हो गई थी,



जिनमें से एक पहले से ही गंभीर रूप से बीमार था। इस प्रक्रिया में वैज्ञानिक सुअरों के जीन में बदलाव करते हैं ताकि उनके अंग मानव शरीर में अस्वीकृत न हों। इस तकनीक पर कई बायोटेक कंपनियां काम कर रही हैं, जिनमें eGenesis नामक कंपनी अग्रणी है। उनके द्वारा विकसित जीन-संशोधित अंगों को आने वाले महीनों में छह अन्य मरीजों पर भी आजमाया जाएगा, और भविष्य में यह संख्या बढ़कर 50 तक हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि

अगर यह तकनीक सफल रही, तो इसे अन्य अंगों जैसे हृदय और यकृत (लीवर) के प्रत्यारोपण में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे दुनिया भर में अंग प्रत्यारोपण के लिए मरीजों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा और लाखों लोगों की जान बचाई जा सकेगी। सुअर की किडनी का सफल प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान में एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। अगर यह प्रयोग बड़े स्तर पर सफल होता है, तो यह मानव अंग प्रत्यारोपण की दुनिया में एक नया युग साबित हो सकता है।

ट्रंप के निशाने पर अब ब्रिटिश घराना, अमेरिका से प्रिंस हैरी को डिपोर्ट करने की तैयारी ! बोले-कानून सब के लिए समान

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध प्रवासियों पर गाज गिराने के बाद अब अमेरिका में बसी बड़ी हस्तियों को निशाना बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इनमें एक नाम ब्रिटिश प्रिंस हैरी का है। ट्रंप ने ब्रिटिश राजघराने के सदस्य प्रिंस हैरी के वीजा आवेदन से जुड़ा मामला उठाते हुए कहा है कि यदि वे नशीले पदार्थों (ड्रग्स) के सेवन के दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें अमेरिका से निष्कासित किया जा सकता है। ट्रंप ने अपने एक साक्षात्कार में कहा कि यदि प्रिंस हैरी ने अमेरिकी वीजा आवेदन में ड्रग्स के इस्तेमाल की जानकारी छिपाई थी, तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका में कानून सभी के लिए समान हैं, और इसमें कोई रियायत नहीं दी जाएगी। ट्रंप ने



यह दावा तब किया जब अमेरिकी संगठन हेरिटेज फाउंडेशन ने अमेरिकी सरकार से प्रिंस हैरी के वीजा दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की। यह मांग तब उठी जब हैरी ने अपनी आत्मकथा स्पेयर में ड्रग्स लेने की बात स्वीकार की थी। अमेरिकी वीजा नियमों के अनुसार, आवेदकों को अपने ड्रग्स सेवन से

जुड़ी जानकारी देनी होती है, और अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो उनका वीजा अमान्य हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि यदि हैरी ने अपने आवेदन में झूठ बोला और बाद में यह साबित हुआ कि उन्होंने नियमों का उल्लंघन किया है, तो बाइडन प्रशासन को उचित कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब वे

राष्ट्रपति बनेंगे, तो इस मुद्दे को गंभीरता से लेंगे। **UISCIS** के 10,000 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान इसी बीच ट्रंप ने यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज के 10,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रशासन ने आव्रजन संबंधी नीतियों को कमजोर कर दिया है, जिससे अमेरिका में अवैध प्रवास बढ़ा है। ट्रंप ने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) पर भी प्रतिबंध लगाने की बात कही है, जिसने हाल ही में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। ट्रंप ने इसे इजराइल विरोधी एजेंडा बताया और कहा कि अमेरिका इस अदालत का समर्थन नहीं करेगा।

जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत, गांव में पसरा मातम

नेशनल डेस्क: छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के एक गांव में पिछले चार दिनों में कम से कम सात लोगों की मौत के मामले में अधिकारियों ने कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। गांव के सरपंच ने दावा किया कि इस अवधि के दौरान गांव में नौ लोगों की मौत हो गई है और वे शराब पीने के आदी थे। उन्होंने आरोप लगाया कि वे (मारे गये लोग) इलाके में अवैध रूप से बेची जाने वाली देशी शराब का भी सेवन करते थे। राज्य के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मौतें नकली शराब पीने के कारण हुई हैं। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, शनिवार सुबह कोनी थानाक्षेत्र के लोफंदी गांव में लोगों की मौत की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन और पुलिस अधिकारियों का एक दल वहां पहुंचा था। बयान में बताया गया कि दल ने ग्रामीणों से पूछताछ की और मौके पर उपस्थित ग्रामीणों से प्रारंभिक पूछताछ व जांच-पड़ताल के आधार पर यह बात सामने आई कि लोफंदी में रहने वाले श्रवण देवांगन के घर पर वैवाहिक कार्यक्रम तीन फरवरी से छह फरवरी के बीच आयोजित हुआ था, जिसमें ग्रामीणों को सामूहिक भोज में आमंत्रित किया गया था। बयान के मुताबिक, ग्रामीणों से पूछताछ में यह भी पता चला कि पिछले चार-पांच दिनों में ग्रामीण कन्हैयालाल पटेल (60), शत्रुहन देवांगन (40), बलदेव पटेल (52), कोमल प्रसाद लहरे (56), रामूराम सुनहले (59), कुन्नु देवांगन (35) और देव कुमार पटेल (45) की मृत्यु हुई है, तथा कुछ व्यक्ति इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हैं।



बयान में बताया गया कि जांच-पड़ताल में जिला प्रशासन के दल ने पाया कि पांच फरवरी को देवप्रसाद पटेल और शत्रुहन देवांगन की मृत्यु हुई थी। बयान के मुताबिक, देवप्रसाद पटेल की मृत्यु का मामला कोनी थाने में दर्ज किया गया था, जिसमें मृतक के बेटे ने मृत्यु का कारण सांप के काटने को बताया है। बयान में बताया गया कि सात और आठ फरवरी को पांच व्यक्तियों की मृत्यु हुई, जिनके नाम रामूराम सुनहले, कोमल लहरे, कन्हैया पटेल, बलदेव पटेल और कुन्नु देवांगन है। बयान के मुताबिक, बलदेव पटेल की मौत श्रीराम केयर अस्पताल में हुई तथा उनके मृत्यु प्रमाण पत्र में मृत्यु का कारण दिल का दौरा उल्लेखित है। बयान में बताया गया कि आठ फरवरी तक लोफंदी गांव में एक मृतक के अलावा अन्य मृतकों का अंतिम संस्कार ग्रामीणों द्वारा स्वयं करा दिया गया था, जिसकी सूचना प्रशासन और अन्य किसी विभाग को भी नहीं दी गई। अधिकारियों ने बताया कि गांव में स्वास्थ्य विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग और नगर निगम के दल ने विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया है, जिसमें उनके द्वारा घर-घर जाकर सघन अभियान चलाकर जांच की जा रही है। गांव के सरपंच रामाधार

सुनहले ने मीडिया को बताया कि मौतों का सामुदायिक भोज से कोई लेना-देना नहीं है तथा मृतक शराब पीने के आदी थे। सरपंच रामाधार मृतक रामूराम सुनहले का छोटा भाई है। रामाधार ने कहा, पिछले तीन-चार दिनों में गांव में कुल नौ लोगों की मौत हो चुकी है। वे सभी शराब के आदी थे और जहां से भी उन्हें देशी शराब मिलती थी, पी लेते थे। उन्होंने दावा किया, मेरा भाई नियमित रूप से शराब पीता था और वह बहुत कम खाता था। शराब पीने के कारण वह बीमार भी रहता था। सरपंच ने मौतों को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद उनके भाई की मौत का कारण पता चलेगा। इस बीच विपक्षी दल कांग्रेस ने दावा किया कि लोफंदी में नकली शराब पीने से आठ ग्रामीणों की मौत हुई और पार्टी ने इन मौतों के लिए सत्तारूढ़ भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, लोफंदी में अवैध नकली शराब पीने से आठ लोगों की मौत हो गई और कुछ अन्य बीमार हो गए। बीमार लोगों में से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। इन मौतों के लिए विष्णु देव साय सरकार जिम्मेदार है।

सनसनीखेज दावा: ट्रूडो ने किया कबूल, सच हो सकता ट्रंप का कनाडा को अमेरिका में मिलाने का प्लान

इंटरनेशनल डेस्क. कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सनसनीखेज दावा किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की योजना सच हो सकती है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब आने वाले 30 दिन दोनों देशों के संबंधों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। कनाडा की छद्म न्यूज के अनुसार, ट्रूडो ने यह टिप्पणी एक निजी बैठक के दौरान व्यापार और श्रमिक नेताओं के सामने की थी। हालांकि, यह चर्चा गलती से लाउडस्पीकर के जरिए प्रसारित हो गई, जिससे मामला उजागर हो गया।सीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रूडो ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप के दिमाग में यह बात चल रही है कि कनाडा को हड़पने का सबसे आसान तरीका इसे अमेरिका में शामिल करना है। यह सिर्फ एक विचार नहीं, बल्कि एक वास्तविक योजना हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका कनाडा के प्राकृतिक संसाधनों को लेकर बेहद दिलचस्पी रखता है, जो इस योजना के पीछे एक बड़ा कारण हो सकता है। यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका में मिलाने की बात की है। उन्होंने इससे पहले भी



सार्वजनिक मंचों पर ऐसे सुझाव दिए हैं। अल्बर्टा फेडरेशन ऑफ लेबर के अध्यक्ष गिल मैकगवान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर भी इस चर्चा की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, ट्रूडो का आकलन है कि ट्रंप की असली चिंता अवैध प्रवास या नशीली दवाओं की तस्करी नहीं, बल्कि कनाडा पर हावी होने और इसे अमेरिका का हिस्सा बनाने की है। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कनाडा और मैक्सिको से आयात होने वाले उत्पादों पर 25% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। हालांकि, उन्होंने 30 दिनों की छूट दी है ताकि दोनों देश अवैध प्रवास और नशीली दवाओं की तस्करी को रोकने के लिए कड़े कदम उठा सकें। अगर अमेरिका यह टैरिफ लागू करता है तो कनाडा ने भी जवाबी कार्रवाई की योजना बना

ली है। कनाडाई सरकार ने 109 बिलियन अमेरिकी डॉलर (79 लाख करोड़) मूल्य के अमेरिकी उत्पादों पर 25% टैरिफ लगाने की तैयारी कर ली है। पीएम ट्रूडो ने कहा कि कनाडा को अमेरिकी रणनीतियों को समझते हुए अपनी आंतरिक व्यापार बाधाओं को खत्म करना चाहिए और अन्य देशों के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत करने चाहिए। उन्होंने कहा, हमें ट्रंप की धमकियों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। हमें अपनी संप्रभुता बनाए रखने के लिए सतर्क और तैयार रहना होगा। ट्रंप की यह रणनीति वास्तव में लागू होगी या नहीं, यह भविष्य में साफ होगा। लेकिन ट्रूडो के इस बयान ने अमेरिका-कनाडा के संबंधों में नई हलचल जरूर मचा दी है।

बाप-बेटी के रिश्ते पर लगा दाग

मां गई थी बाहर, पीछे से पिता ने अपनी ही बेटी के साथ कर डाला ये घिनौना कांड

महोबा. उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के एक गांव में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां 44 वर्षीय एक पिता ने अपनी 18 वर्षीय बेटी के साथ बलात्कार किया। घटना तब हुई जब आरोपी की पत्नी घर से बाहर गई हुई थी और उसकी बेटी अकेली थी। पीड़िता ने किसी तरह आरोपी के चंगुल से भागकर घटना के बाद अपने मामा के पास पहुंची और उन्हें अपनी आपबीती सुनाई। मामा के जरिये सूचना



मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। **पीड़िता ने मामा को सुनाई अपनी आपबीती** सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, महोबा नगर क्षेत्र के सर्किल अधिकारी दीपक दुवे ने बताया कि आरोपी ने अपनी बेटी को घटना के बारे में किसी को बताने पर धमकी भी दी थी, लेकिन पीड़िता ने हिम्मत जुटाई और अपने मामा

को सब कुछ बताया। **13 वर्षीय लड़की ने अपने पिता पर लगाया था दुष्कर्म का आरोप** बताया जा रहा है कि, इस तरह का एक और गंभीर मामला 3 फरवरी को देवरिया जिले में सामने आया था, जहां 13 वर्षीय एक लड़की ने अपने पिता पर बलात्कार का आरोप लगाया था। इस मामले में भी पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और आरोपी पिता को गिरफ्तार किया।

बलिया जिले में भी सामने आया था ऐसा ही मामला इसी महीने बलिया जिले में भी एक पिता ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की उम्र केवल 11 वर्ष थी और वह अपनी नाना-नानी के पास रह रही थी। जब उसकी मां बांग्लादेश में रिश्तेदारों से मिलने गई थी, तब पिता ने कई बार अपनी बेटी के साथ बलात्कार किया।